वेबसाईट : www.abvp.org पंजिकृत क्रमांक : S-385/1949-50

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय- 3, मार्बल आर्च, सेनापती बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016.
दूरभाष :(022) 24306321 / 24378866 फैक्स :24313938 ई-मेल : abvpkendra@gmail.com

दिनांक : 15 जनवरी 2020

-: प्रेस विज्ञप्ति :-

अभिव्यक्ति की आज़ादी का ढकोसला रचने वालों का दोहरा चरित्र उजागर: अभाविप

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के वीर सावरकर को अपमानित करने संबंधी बयान पर लोकतांत्रिक टिप्पणी करने वाले मुंबई विश्वविद्यालय के एकेडमी ऑफ थिएटर आर्ट के निदेशक प्रो योगेश सोमन को जबरन अनिश्चितकालीन छुट्टी पर भेजे जाने के निर्णय की कड़ी निंदा करती है, यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि विश्वविद्यालयों में इस तरह से लोकतांत्रिक आवाज़ को दबाने की कोशिश की जा रही है। भारतीय राजनीति में कांग्रेस के अभिव्यक्ति की आजादी पर दोहरे चरित्र तथा दमनकारी प्रवृत्ति को देखा जा सकता है तथा विपक्षी नेताओं की चुप्पी इस कुकृत्य पर मौन स्वीकृति दे रही है।

अभाविप की राष्ट्रीय महामंत्री निधि त्रिपाठी ने कहा कि, "भारतीय विश्वविद्यालयों में लोकतांत्रिक गतिविधियों के लिए स्थान रहना चाहिए, अगर आलोचना लोकतांत्रिक दायरे में की गई हो, तो उसको अनावश्यक रूप से सत्ता का सहारा लेकर दबाना अनुचित है। प्रोफेसर योगेश सोमन के साथ जो कांग्रेस-एनसीपी-शिवसेना सरकार ने जो ज्यादती की है वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं अराजक स्थिति को जन्म देने वाली है। "

अभाविप के राष्ट्रीय मंत्री अनिकेत ओव्हाल ने कहा कि, "परिसरों में वैचारिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर जिस तरह से प्रो योगेश सोमन को अनिश्चितकाल की छुट्टी पर भेजकर आघात किया गया है, वह अलोकतांत्रिक है तथा जन सामान्य की आवाज को दबाने का प्रयास है। आलोचना को गुण-दोष के विवेचन की तरह न देखकर, हिटलरशाही से आलोचना को दबाने के प्रयासों का हम विरोध करते हैं।"

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री नीरज चौधरकर द्वारा जारी की गई है।)